

ارس فشر (سونٹز رلینڈ، 1973)

فن کے بارے میں فشر کا نقطہ نظر اکثر آرٹ مخالف تحریکوں سے متاثر سمجھا جاتا ہے۔ جب سے فشر نے اپنا کام دکھانا شروع کیا، انیس سو نوے کی دہائی کے وسط میں، یورپ میں، اس نے بڑی تعداد میں اشیاء، ڈرائنگ، کولاجز اور کمرے کے سائز کی تنصیبات تیار کیں۔

"آرٹ ایک جواب سے زیادہ ایک سوال ہے، یہ ہمیشہ ایک فنکار کی نمہ داری نہیں ہے کہ وہ اپنے کام کی تشریح لکھے۔"

بلا عنوان - لیمپ/ریچھ (ایئر سانیڈ - ڈیوٹی فری پلازہ ساؤتھ)

- 700 x 600 x 750 سینٹی میٹر
- کانسہ

بلا عنوان - لیمپ/ریچھ میں میموری کو پیمانے کے ساتھ جوڑتا ہے، بیک وقت ایک یادگار اور ایک وژن بناتا ہے۔ یہ ٹکڑا اس سلسلے کا حصہ ہے جسے ارس فشر نے "دوپریت کے اندرونی میکانکس" کی تلاش کے طور پر بیان کیا ہے جو پوچھتا ہے کہ "جب دو مخصوص اشیاء ایک تصوراتی جگہ میں ملیں تو کیا ہوتا ہے۔" 7 میٹر ٹیڈی بیئر کا مجسمہ کانسی میں ڈالا گیا ہے، اور ایک سیاہ چراغ کے ساتھ پر امن طریقے سے ٹکا ہوا ہے۔ یہ آرٹ ورک دوحہ کے ہوائی اڈے پر مسافروں کا استقبال کرتا ہے اور سفر کے خیال کو مناتا ہے۔ یہ ایک چنچل ٹکڑا ہے جو اپنے ارد گرد کی جگہ کو انسان بناتا ہے اور مسافروں کو بچپن یا گھر کی قیمتی اشیاء کی یاد دلاتا ہے۔



उर्स फिशर

शीर्षकहीन - लैंप/भालू, 2013

हमद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा



उर्स फिशर (स्विट्जरलैंड, 1973)

कला के प्रति फिशर का दृष्टिकोण अक्सर कला विरोधी आंदोलनों से प्रभावित माना जाता है। जब से फिशर ने उन्नीस-नब्बे के दशक के मध्य में यूरोप में अपना काम दिखाना शुरू किया, तब से उन्होंने बड़ी संख्या में वस्तुएं, चित्र, कोलाज और कमरे के आकार के इंस्टॉलेशन तैयार किए हैं। “कला एक उत्तर से अधिक एक प्रश्न है, यह हमेशा एक कलाकार की जिम्मेदारी नहीं होती कि वह अपने काम की व्याख्या तय करे।”

शीर्षक रहित - लैंप/भालू (एयरसाइड - ड्यूटी फ्री प्लाजा साउथ)

- 700 x 600 x 750 सेमी
- पीतल

शीर्षकहीन में-लैंप/बियर स्मृति को पैमाने के साथ जोड़ता है, एक साथ एक स्मारक और एक दृष्टि बनाता है। यह टुकड़ा एक श्रृंखला का हिस्सा है जिसे उर्स फिशर ने “द्वंद्व के आंतरिक यांत्रिकी” की खोज के रूप में वर्णित किया है जो पूछताछ करता है कि “क्या होता है जब दो विशिष्ट वस्तुएं एक काल्पनिक स्थान में मिलती हैं।” 7 मीटर की टेडी बियर की मूर्ति कांस्य में बनाई गई है, और एक काले दीपक के सामने शांति से टिकी हुई है। यह कलाकृति दोहा के हवाई अड्डे पर यात्रियों का स्वागत करती है और यात्रा के विचार को जश्न मनाती है। यह एक चंचल टुकड़ा है जो अपने आस-पास की जगह को मानवीय बनाता है और यात्रियों को बचपन या घर की कीमती वस्तुओं की याद दिलाता है।